Dr. Sunil Kr. Suman
Assistant Professor (Guest)
Dept. of Psychology
D.B. College Jaynagar
L.N.M.U. Darbhanga

Study Material
B.A. Part - I (Gen./Subs.)
Date:- 21-07-2020

Learning: Definition Learning Curve

अधिगम वक्र (Learning curve):- एक ऐसी वक्र रेखा जो सीखने की उन्नति तथा अवनति को दिखाती है, उन रेखाओं को अधिगम वक्र कहते हैं। अधिगम वक्र एक ऐसा वक्र होता है, जो सीखने की मात्रा, अभ्यास तथा प्रयास में एक खास संबंध होता है। शिक्षण वक्र मुख्य रूप से चार प्रकार के होते हैं।

(i) **समान निष्पादन वक्र (Curve of equal Returns):-** इसे रेखीय त्वरण वक्र (Linear acceleration curve) भी कहते हैं। इस वक्र का आकार सीधी रेखा के समान होता है। इस वक्र से पता चलता है की प्रत्येक प्रयास के निष्पादन स्तर पर कोई कमी या बढ़ोत्तरी नही हुई। सामान्यतः यह वक्र बहुत कम पाया जाता है।

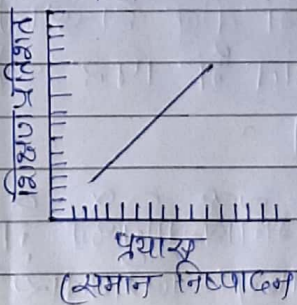

(समान निष्पादन वक्र)

(ii) **धनात्मक त्वरण वक्र (Positive acceleration curve):-** धनात्मक त्वरण वक्र यह वक्र तब बनता है, जबकी प्रारम्भ में सीखने की गति धीमी

धीमी होती है और फिर बाद के प्रयासों में इसकी गति तीव्र हो जाती है। जिसके परिणामस्वरूप वक्र तेजी से ऊपर उठता है।

प्रयास (धनात्मक निष्पादन वक्र)

(iii) ऋणात्मक शिक्षण वक्र (Negative Learning curve) यह वक्र तब बनता है, जबकी प्रारंभिक प्रयासों में सीखने की गति तीव्र होती है और बाद के प्रयासों में इसकी गति धीमी हो जाती है, क्योंकि प्रयोज्य निष्पादन स्तर के नजदीक पहुँच जाता है। अगर एक सीमा के बाद प्रयास किए जाएं, तो निष्पादन स्तर में कोई वृद्धि नहीं होती। वस्तुत: यह वक्र सबसे सामान्य तथा लोकप्रिय है।

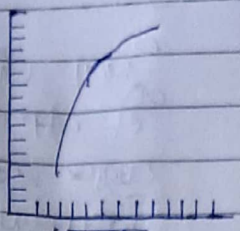

प्रयास
(ऋणात्मक निष्पादन वक्र)

(IV) एस - आकार वक्र (S-shaped curve) इस - एस वक्र के शुरू में सीखने की गति धीमी होती है तथा बाद के प्रयासों में तीव्र हो जाती है और अंत में फिर धीमी हो जाती है।

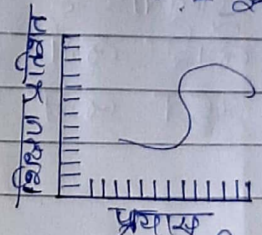

प्रयास
(एस - आकारीय वक्र)

मनोवैज्ञानिकों ने इन सभी अधिगम वक्रों की कुछ सामान्य विशेषताएं बतायी है जो निम्नलिखित है।

आरम्भिक स्फुरण (Begining spurt) जब कोई व्यक्ति किसी पाठ या कार्य को सीखता है, उस समय प्रेरणा तथा अभिरुचि सर्वाधिक होता है

अतः पाठ या कार्य कठिन हो अथवा सरल हो, वह नवीन होता है। इसी कारण अधिक वक्र तेजी से ऊपर उठता है।

मध्य स्फुरण (middle spurt):- इस अवस्था में व्यक्ति की कार्य तथा प्रेरणा में कुछ कमी आ जाती है जिसके कारण वक्र में काफी उतार-चढ़ाव होता है।

पठार (Plateau):- पठार (Plateau) की अवस्था में स्थिति यह होती है कि न तो शिक्षण वक्र में उतार आता है न चढ़ाव जिसके कारण वक्र पड़ी रेखा के रूप में दिखाई देती है।

अन्तिम स्फुरण (End spurt):- जब व्यक्ति को यह अहसास होता है कि उसके द्वारा किया जाने वाला कार्य अपने अन्तिम चरण में है, तो वह फिर उसी उत्साह तथा लगन के साथ अपने कार्य में लग जाता है। परिणामस्वरूप सीखने की गति फिर से तेज हो जाती है व वक्र ऊपर की ऊपर की ओर उठता है।

End.

Scanned with CamScanner